www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 14 | जौनपुर, गुरूवार, 27 अगस्त 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

नेपाल में फंसे तीर्थयात्रियों की सुरक्षा पर तमिलनाड सरकार की नजर

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मंत्री ए. राजमोहन ने बृहस्पतिवार को विधानसभा को बताया कि राज्य सरकार नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण फंसे राज्य के तीर्थयात्रियों के बचाव कार्य पर करीब से नजर रख रही है और चेन्नई से गए 49 अन्य लोगों की स्थिति का पता भी लगाया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के 10 जिलों से 54 लोग और पुडुचेरी से तीन लोग तीर्थयात्रा पर गए थे। इसके अलावा सरकार को पता चला है कि चेन्नई के एक 'टूर ऑपरेटर' ने 49 तीर्थयात्रियों को मानसरोवर भेजा था जिससे तीर्थयात्रा पर जाने वाले लोगों की संख्या 106 हो गई है। विपक्ष की ओर से लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री ए. राजमोहन ने विधानसभा में बताया कि राज्य सरकार तीर्थयात्रियों के बचाव कार्य और उनकी स्थिति पर हर घंटे नजर रख रही है और बचाए गए 20 लोगों को वर्तमान में काठमांडू के रास्ते वापस लाने की कोशिशें जारी हैं। उन्होंने बताया कि इन 57 लोगों के अलावा चेन्नई की एक ट्रैवल एजेंसी 49 तीर्थयात्रियों को मानसरोवर यात्रा पर ले गई थी और अभी उनकी यात्रा योजना तथा वे कहां हैं, इस बारे में पता लगाने की कोशिशें की जा रही हैं। नेपाल के अधिकारियों के अनुसार, देश के मध्य जिलों में अचानक आई बाढ़ से भारी तबाही मची और प्रभावित इलाकों का संपर्क कट गया जिससे मानसरोवर यात्रा पर गए कई तीर्थयात्रियों समेत 130 से अधिक भारतीय लापता हो गए और कई अन्य लोग वहां फंस गए। कैलाश यात्रा पर गए तमिल तीर्थयात्रियों से जुड़ी नेपाल की इस दुखद घटना की जानकारी देते हुए राजमोहन ने बताया कि चीन में एक नदी के ऊपरी हिस्से में ग्लेशियर के टूट कर गिरने से नेपाल–तिब्बत सीमा पर भोटेकोशी नदी में जबरदस्त बाढ़ आ गई, जिससे रसुवा, तिमुरे और स्याब्रुबेसी जैसे इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए। इस तीर्थयात्रा पर कुल 384 यात्री गए थे जिनमें 291 विदेशी और 93 नेपाली नागरिक शामिल थे। इनमें से 75 लोग घायल हुए जबकि 209 लोगों को बचाया गया। बचाए गए लोगों में से 93 को जमीन के रास्ते और 116 को 'एयर एंबुलेंस' के जरिए निकाला गया। इस दौरान वाहनों की आवाजाही के लिए बने 35 पुल, 45 झूला पुल और लगभग 40 किलोमीटर सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। मंत्री ने बताया, ''तीर्थयात्रा पर एक नहीं बल्कि कई समूह गए थे। पहले समूह में 57 तीर्थयात्री थे जिनमें 54 तमिलनाडु से और तीन लोग पुडुचेरी से थे।

अवकाश सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि रक्षाबंधन पर्व पर कार्यालय व प्रेस में अवकाश रहेगा।

अतः अगला अंक समय से प्रकाशित होगा।

– सम्पादक

पीएम मोदी आज युवा एथलीटों से करेंगे संवाद, 1500 से अधिक संस्थानों में होगा 'खेलो इंडिया डायलॉग'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुरुवार को 'खेलो इंडिया डायलॉग खेल की बात, प्रधानमंत्री मोदी के साथ' कार्यक्रम के दौरान देश भर के युवा एथलीटों और युवा नेताओं को संबोधित करेंगे। नेशनल स्पोर्ट्स डे 2026 के अवसर पर यह बड़े पैमाने का युवा सहभागिता कार्यक्रम 1,500 से अधिक शिक्षण संस्थानों में वर्चुअली आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन उभरते एथलीटों, छात्रों, नीति निर्माताओं और जाने–माने खिलाड़ियों को एक साथ लाएगा। इसका उद्देश्य भारत के खेल इकोसिस्टम को मजबूत करने और युवाओं के लिए अधिक अवसर पैदा करने पर विचार साझा करना है। प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन के बाद भाग लेने वाले संस्थानों में फिजिकल प्रोग्राम भी एक साथ आयोजित होंगे। इनमें आईआईटी, आईआईएम, एम्स, प्रमुख मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय शामिल हैं। कार्यक्रम मुख्य रूप से चार क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा कृजमीनी स्तर पर खेल संरचना को मजबूत करना, कोचिंग और प्रतियोगी अवसर बढ़ाना, 2036 ओलंपिक्स को ध्यान में रखते हुए प्रतिभाओं की पहचान और विकास, तथा गवर्नेंस व नेतृत्व में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना। साथ ही युवाओं को भविष्य के कौशल, वॉलंटियरिंग के मौके और राष्ट्र निर्माण के रास्ते उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा। कार्यक्रम का एक विशेष हिस्सा युवा प्रतिभागियों और भारत के प्रसिद्ध एथलीटों व पदक विजेताओं के बीच बातचीत होगा। दीपा करमाकर, साइना नेहवाल, गगन नारंग, श्रीजेश, मैरी कॉम, बाइचुंग भूटिया, पुलेला गोपीचंद, अंजू बॉबी जॉर्ज, कर्णम मल्लेश्वरी, मीराबाई चानू और पी.टी. उषा जैसे विभिन्न खेलों के दिग्गज युवाओं से जुड़कर अपने सफर, चुनौतियों और अनुभव को साझा करेंगे। इसके अलावा संसद सदस्य, विधायक, केंद्रीय व राज्य मंत्री तथा राज्य के खेल मंत्री अलग–अलग स्थानों पर कार्यक्रम में शामिल होंगे।

सीएम रेखा गुप्ता ने बच्चों संग मनाया रक्षाबंधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को बच्चों के साथ राखी का त्योहार मनाया। इस अवसर पर उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हेंडल से कुछ तस्वीरें साझा कीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों के बीच त्योहारों की खुशी को अनमोल बताया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि बच्चों के बीच त्योहारों की खुशी कुछ और ही होती है। उन्होंने दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से आए अपने प्यारे छोटे दोस्तों के साथ यह विशेष रक्षाबंधन मनाया। बच्चों ने मुख्यमंत्री की कलाई पर बहुत प्यार से कई राखियां बांधीं। उन्होंने मुख्यमंत्री को जमकर मिठाई भी खिलाई। इसके बाद बच्चों और मुख्यमंत्री के बीच असीमित बातें, हंसी और ढेर सारी शरारतें हुईं। सीएम ने बच्चों के इस प्यार को अपने लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं बताया। उन्होंने बच्चों की मुस्कान हमेशा खिलती रहने की कामना की। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बच्चों के सपनों को हर अवसर मिले। उन्होंने दिल्ली के बच्चों के लिए हमेशा सुरक्षित और संभावनाओं से भरा रहने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बच्चों के साथ बिताए इन पलों को बेहद खास बताया।

उन्होंने कहा कि बच्चों की मासूमियत और उत्साह त्योहारों के माहौल को और भी जीवंत बना देता है। इस आयोजन में दिल्ली के अलग–अलग इलाकों से बच्चे शामिल हुए थे। यह मुख्यमंत्री के लिए एक भावनात्मक और यादगार अनुभव रहा। बच्चों ने भी इस अवसर पर खूब आनंद लिया। संदेश में मुख्यमंत्री ने बच्चों के प्रति अपने गहरे स्नेह को व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनकी कलाई पर बहुत सारी राखियां हैं और दिल में उन सभी बच्चों का ढेर सारा प्यार है। रेखा गुप्ता ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कनाडाई निवेशकों से की चर्चा, गिनाईं भारत की निवेशक हितैषी नीतियां

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत में निवेशकों के लिए अनुकूल नीतिगत माहौल, टैक्स से जुड़ी ज्यादा निश्चितता और लगातार हो रहे सुधारों का जिक्र करते हुए कनाडाई कंपनियों से देश में अलग–अलग सेक्टर और इलाकों में नए मौकों और पार्टनरशिप की संभावनाओं को तलाशने की अपील की।

यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को दी गई। यह अपील वित्त मंत्री सीतारमण ने टोरंटो में कनाडा की प्रमुख कंपनियों के सीईओ, प्रेसिडेंट और सीनियर एग्जीक्यूटिव्स के साथ एक हाई–लेवल बिजनेस राउंडटेबल के संबोधन के दौरान की। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा, "इस राउंडटेबल में क्लीन टेक्नोलॉजी, जरूरी मिनरल्स, रेयर अर्थ्स, एनर्जी स्टोरेज, सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर, एग्रीकल्चर, फूड प्रोसेसिंग, ऑटोमोटिव, टेक्सटाइल्स, ग्रीन स्टील, एयरोस्पेस, स्पेस, साइबर सिक्योरिटी, बायोटेक्नोलॉजी, एआई, एसेट मैनेजमेंट, हायर एजुकेशन और स्किल्स डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों के बिजनेस लीडर्स एक साथ आए।" उन्होंने ओंटारियो टीचर्स पेंशन प्लान (ओटीपीपी) की प्रेसिडेंट और सीईओ जो टेलर से मुलाकात की और भारत में ओटीपीपी के लंबे समय के भरोसे और एनआईआईएफ के साथ उसकी पार्टनरशिप की सराहना की। मंत्रालय के अनुसार, "बातचीत में पार्टनरशिप और को–इन्वेस्टमेंट के जरिए ओटीपीपी के इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश को बढ़ाने के मौकों पर चर्चा की गई।

आज भारत की बेटियां फाइटर एयरक्राफ्ट में बैठकर देश की रक्षा कर रहीं – राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि जिस भारत की बेटियां कभी स्वतंत्रता के लिए सत्याग्रह की अग्रिम पंक्ति में खड़ी थीं, आज उसी भारत की बेटियां फाइटर एयरक्राफ्ट की कॉकपिट में बैठकर, देश के आसमान की रक्षा कर रही हैं। यह केवल परिवर्तन की कहानी नहीं है, यह नए भारत की शक्ति की कहानी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को गोवा में हुतात्मा स्मृति स्मारक के उद्घाटन समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज हमारी बेटियां सैन्य बलों में लीडरशिप रोल निभा रही हैं, स्पेस मिशन का हिस्सा बन रही हैं, स्टार्टअप शुरू कर रही हैं और देश की अर्थव्यवस्था को नई

दिशा दे रही हैं। ये सारी चीजें, उन सपनों का प्रतिबिंब है, जिसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था। स्ततवत सवंकपदह 'के. रक्षा मंत्री ने कहा, "आज भारत लड़ाकू विमान से लेकर वॉरशिप, मिसाइल, राडार, ड्रोन और एडवांस डिफेंस सिस्टम तक अनेक क्षेत्रों में अपनी स्वदेशी क्षमता को बढ़ा रहा है। आज भारत हथियारों का खरीदार न रहकर, ग्लोबल डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग का महत्वपूर्ण निर्यातक बन रहा है। आज हमारी सेना अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी को अपना रही है। हमारी नौसेना ब्लू वॉटर से लेकर रणनीतिक समुद्री सुरक्षा स्पेस तक भारत के हितों की रक्षा कर रही है। हमारी एयरफोर्स हमारे आसमानों की सुरक्षा कर रही है और तीनों सेनाएं संयुक्ता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।" इसके साथ ही उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के नागरिक के रूप में हमारी जिम्मेदारी है। यह बात विशेषकर हमारे युवाओं के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने हमें एक जिम्मेदारी भी दी है, कि हम देश की यूनिटी को मजबूत करें, संवैधानिक मूल्यों का सम्मान करें, कानून का पालन करें। उन्होंने कहा कि गोवा की मुक्ति भारत की अखंडता और स्वाभिमान की पुनर्स्थापना थी। 19 दिसंबर 1961 को, गोवा अंतत पुर्तगाली शासन से मुक्त हुआ। यह उन सत्याग्रहियों के बलिदान के बिना संभव नहीं था, जिन्होंने वर्षों पहले पत्रादेवी जैसे स्थानों पर अपने प्राणों की आहुति दी थी।

जयशंकर ने फंसे भारतीयों की खोज के लिए की उच्चस्तरीय बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि भारत नेपाल के बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे भारतीयों की स्थिति और उनकी सलामती का पता लगाने के लिए तेजी से कोशिशें कर रहा है। जयशंकर ने बताया कि उन्होंने विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय के अधिकारियों और काठमांडू व बीजिंग में भारत के राजदूतों के साथ एक हाई–लेवल रिव्यू मीटिंग की, जिसमें वे वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मंत्रालय बाढ़ से प्रभावित भारतीयों का पता लगाने के लिए अलग–अलग केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, टूर ऑपरेटरों और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रहा है। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि हम इस मामले और राहत कार्यों, दोनों ही चीजों पर नेपाली पक्ष के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। नेपाली पुलिस के

अनुसार, नेपाल–तिब्बत सीमा पर भयानक अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 177 हो गई है। गुरुवार को प्रभावित इलाकों में बचाव दल अपना काम करते रहे, जबकि अधिकारी सैकड़ों लापता लोगों की तलाश और बचे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में जुटे रहे। गुरुवार को लगभग 100 लोगों का पता चला। इससे कुछ घंटे पहले ही नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बताया था कि नेपाल और पड़ोसी तिब्बत में आई भयानक बाढ़ और उससे बहकर आए कीचड़, पत्थरों और पानी की चपेट में आने से करीब 300 भारतीय लापता हो गए थे। इस भयानक बाढ़ में 175 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, नेपाल सरकार या भारत की ओर से लापता भारतीयों की सही संख्या के बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है। भारत ने गुरुवार को बाढ़ से प्रभावित नेपाल को राहत सामग्री की दूसरी खेप भेजी। इसमें एक मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के जरिए 37.5 टन मानवीय सहायता, दवाइयां और खाने के पैकेट भेजे गए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि यह खेप बुधवार को नेपाल भेजी गई 10 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत सामग्री के बाद भेजी गई है।

नेपाल बाढ़ त्रासदी पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने जताया दुख

नई दिल्ली।, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ (फ्लैश फ्लड) पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। उन्होंने नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार से लापता भारतीयों का जल्द पता लगाने और उनके परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर पोस्ट कर कहा कि नेपाल में आई भीषण बाढ़ से वह गहरे दुखी हैं। उन्होंने कहा कि इस आपदा में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति उनकी हार्दिक संवेदनाएं हैं और भारत इस मुश्किल घड़ी में नेपाल के लोगों के साथ खड़ा है। कांग्रेस

अध्यक्ष ने कहा कि नेपाल में 100 से अधिक भारतीयों के लापता होने की खबरें बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने भारत सरकार से अपील की कि लापता भारतीयों का जल्द पता लगाने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को इस कठिन समय में नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता उपलब्ध करानी चाहिए। खड़गे ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस नेपाल की जनता के साथ एकजुटता से खड़ी है और इस आपदा से प्रभावित सभी लोगों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बातचीत कर बाढ़ में हुई जनहानि पर शोक जताया और नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता देने का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर पोस्ट कर कहा, ष्नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बातचीत कर संवेदना व्यक्त की। इस कठिन समय में भारत के लोग नेपाल के अपने भाई–बहनों के साथ खड़े हैं। उन्होंने आगे कहा, ष्भारत नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। हमारी टीमें राहत और बचाव कार्यों के लिए आपस में लगातार समन्वय कर रही हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड के प्रारंभिक आकलन के अनुसार, रसुवा क्षेत्र में भोटे कोशी नदी में आई अचानक बाढ़ के बाद 384 पर्यटक लापता बताए गए हैं। इनमें 291 विदेशी नागरिक और 93 नेपाली नागरिक शामिल हैं।

संपादकीय

ऊर्जा सुरक्षा नीति की कठिन परीक्षा

चीन अमेरिका से सौदेबाजी करने में अपने को सक्षम साबित कर चुका है। इसलिए ध्यान इस पर है कि भारत इस चुनौती से कैसे उबरता है, जो अपनी जरूरत का लगभग 90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा नीति की जल्द ही कठिन परीक्षा होगी। अमेरिका के नए 100 प्रतिशत टैरिफ की तलवार के मद्देनजर क्या भारत रूस से रियायती तेल को छोड़कर वैकल्पिक स्रोतों की ओर बढ़ेगा? या कूटनीतिक संतुलन साधते हुए मौजूदा आपूर्ति शृंखला बनाए रखने की कोशिश करेगा? पहले विकल्प के साथ रूस से पारंपरिक रिश्तों में पेच खड़ा होने और देश की छवि खराब होने का जोखिम है। जबकि दूसरा विकल्प अपनाने का मतलब अमेरिका से संबंधों पर लगाए गए बड़े दांव पर पुनर्विचार करना होगा। दूसरे विकल्प से फौरी नुकसान संभावित हैं, लेकिन इससे दीर्घकाल में स्वायत्त विदेश नीति को विकसित करने की संभावना भी बन सकती है। गौरतलब है, अमेरिकी सीनेट ने लिंडसे ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट 2026 पारित कर दिया है। यह जल्द ही प्रतिनिधि सभा से भी पारित हो जाएगा। इसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को रूसी तेल और गैस के पांच सबसे बड़े आयातकों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा। समझा गया है कि इस बिल के निशाने पर मुख्यतरू भारत और चीन हैं। मगर चीन अमेरिका से सौदेबाजी करने में अपने को सक्षम साबित कर चुका है। इसलिए ध्यान इस पर टिका है कि भारत इस चुनौती से कैसे उबरता है। भारत कच्चे तेल की कुल जरूरत का लगभग 90 फीसदी हिस्सा आयात करता है। इसमें रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी तकरीबन 48 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। अमेरिका का मकसद विश्व बाजार में रूसी तेल की पहुंच रोकना है, जिसका एक असर कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल के रूप में देखने को मिलेगा। ईरान युद्ध के कारण तेल पहले से महंगा है। अप्रैल–जून तिमाही में भारत का कच्चे तेल का आयात बिल पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 60 फीसदी बढ़कर लगभग 49.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। नया प्रतिबंध लागू होने पर भारत को पश्चिम एशियाई तेल की ओर रुख करना पड़ सकता है या फिर उसे अमेरिका या वेनेजुएला से आयात बढ़ाना होगा, जो काफी महंगा साबित होगा। इसीलिए यह मुद्दा भारत सरकार के सामने यक्ष प्रश्न बन कर खड़ा हो गया है।

पत्रकार भी दिमागी नक्सल

सत्ता के विरोध की आवाज को दबाना और कुचलना किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए अच्छे लक्षण नहीं हैं। यह तानाशाही का प्रतीक है कि अपने शासक की हर बात को सिर झुका कर सुना जाए, उस पर सवाल न उठाएं जाएं और सदा उसकी जय जयकार की जाए। खेद की बात है कि भारत में इस समय ऐसा ही माहौल बनता जा रहा है। हालांकि हमारा संविधान इतना मजबूत और कारगर है कि इसके उपाय किसी भी तानाशाही प्रवृत्ति को हावी नहीं होने देते, अगर ऐसे संकेत मिलते हैं तो जनता ही चेतावनी दे देती है। बावजूद इसके इस समय किसी न किसी तरीके से सत्ता विरोधियों के दमन की कोशिशें चल ही रही हैं। यह महज संयोग नहीं है कि दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर लाठियां और पैलेट गन चलाकर उन्हें संसद मार्च से रोका गया, उस दौरान बिहार में भी ऐसे ही प्रदर्शन हुए थे, जिसमें दमनकारी उपाय प्रशासन ने आजमाए और अब एक महीने बाद बिहार में फिर से अपना हक मांग रहे प्रदर्शनकारियों पर लाठियां और पानी की बौछारें पड़ रही हैं। इस एक महीने के बीच में देश ने 80वां स्वतंत्रता दिवस भी मना लिया, लेकिन आजाद खयालों को कुचलने के तरीके अब भी भाजपा की तरफ से आजमाए जा रहे हैं।गौरतलब है कि 15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री मोदी ने दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल किया था। जिस पर सभी को हैरानी हुई थी कि अर्बन नक्सल के बाद अब दिमागी नक्सल जैसी संज्ञा प्रधानमंत्री ने क्यों निकाली। अब उसका अभिप्राय समझ आ रहा है। भाजपा उन तमाम लोगों को दिमागी नक्सल बता रही है, जो सरकार से सवाल पूछते हैं। 20 अगस्त को भाजपा ने दिमागी नक्सल कौन है, ऐसे गीत के साथ एक वीडियो अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर डाला है, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल, पत्रकार राजदीप सरदेसाई, अभिनेता प्रकाश राज, यूट्यूबर ध्रुव राठी, और गायक विशाल ददलानी जैसे चेहरों को दिखाया गया है।राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल तो भाजपा की विरोधी पार्टियों के नेता हैं, लेकिन बाकी चारों भाजपा से राजनैतिक मुकाबला नहीं करते हैं, बल्कि वे उसकी नीतियों की आलोचना करते हैं। देश का संविधान इसकी इजाजत देता है। राजदीप सरदेसाई को भी भाजपा ने जिस तरह दिमागी नक्सल बताया है, उससे जाहिर होता है कि स्वतंत्र मीडिया से भाजपा को कितनी परेशानी होती है। आश्चर्य नहीं कि प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत लगातार गिरता जा रहा है, इस समय उसकी रैंकिंग 180 देशों में 157वां है। जब प्रधानमंत्री नॉर्वे गए हुए थे और वहां पत्रकार हेले लिंग ने उनसे सवाल पूछे तो भारतीय मीडिया के बहुत से लोगों ने उनकी काबिलियत पर ही सवाल उठा दिए। जबकि कायदे से पत्रकारों को भी यही पूछना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज तक एक भी खुली प्रेस कांफ्रेंस क्यों नहीं की, क्यों वो चुनिंदा पत्रकारों को स्क्रिप्ट आधारित साक्षात्कार देते हैं। जब उन्हें यकीन है कि जनता ने उन्हें बहुमत से जिताकर सत्ता सौंपी है, तो फिर इतनी बहादुरी भी दिखा दें कि सवालों का सामना कर लें। खैर सवालों से मोदी सरकार की चिढ़ का ही नतीजा है कि राजदीप सरदेसाई को दिमागी नक्सल बताया गया।गनीमत है कि इस पर एडिटर्स गिल्ड ने आलोचनात्मक बयान जारी किया है और कहा कि पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ टीवी पत्रकार राजदीप सरदेसाई को शदिमागी नक्सलश्य बताना पूरी तरह गलत है। गिल्ड ने कहा कि राजदीप सरदेसाई ने अपने लंबे पत्रकारिता जीवन में समाचारों और राजनीतिक घटनाक्रमों का पेशेवर और निष्पक्ष विश्लेषण किया है। ऐसे पत्रकार को इस तरह के राजनीतिक लेबल देना न केवल उनकी प्रतिष्ठा पर हमला है बल्कि पूरे मीडिया जगत के लिए चिंताजनक संकेत है। गिल्ड ने कहा कि सबसे गंभीर बात यह है कि यह हमला किसी अनजान समूह या सोशल मीडिया ट्रोल की ओर से नहीं बल्कि सत्ता पक्ष के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से किया गया है। गिल्ड ने कहा कि किसी पत्रकार को सिर्फ इसलिए सार्वजनिक रूप से बदनाम करना कि वह सरकार से सवाल पूछता है या उसकी नीतियों का विश्लेषण करता है, लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रेस की स्वतंत्रता के खिलाफ है। एडिटर्स गिल्ड ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारों का काम सरकार से सवाल पूछना, नीतियों की समीक्षा करना और जनता तक तथ्य पहुंचाना है। यदि पत्रकारों को राजनीतिक विरोधी या दुश्मन की तरह पेश किया जाएगा तो इससे मीडिया की स्वतंत्रता कमजोर होगी। गिल्ड ने कहा कि भारत के संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की जो गारंटी दी गई है, ऐसे हमले उसकी भावना के विपरीत हैं। गिल्ड का कहना है कि पत्रकारों को डराने या उन्हें राजनीतिक पहचान देने की कोशिश भारत की लोकतांत्रिक छवि को नुकसान पहुंचाती है। एडिटर्स गिल्ड ने अपने बयान के अंत में भाजपा से अपील की कि वह अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल पत्रकारों को बदनाम करने के लिए न करे।यह बयान सर्वथा उचित है, लेकिन अब देश के पत्रकारों और उनके हितों की रक्षा करने वाली संस्थाओं को यह भी देखना होगा कि उनके बयानों का असर अंजाम में भी नजर आए।

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान

ललित

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा, निवेश और उद्यमिता का आकर्षण–केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान–3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रूवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य–एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है। इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष–प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दर्शाता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉसमॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने, जल संसाधनों की पहचान, मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन, वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। बाढ़, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएं, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है।

ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें। अंतरिक्ष क्षेत्र की एकल खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं। भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं।

खबरों की दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चुनौती, यहां आंखों देखा और कानों सुना भी झूठ हो सकता है

प्रो. संजय

मीडिया की दुनिया के लिए यह सबसे कठिन समय है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सब कुछ हिलाकर रख दिया है। अगले पांच वर्षों में न्यूज रुम का चेहरा बदलने के संकल्प के साथ इस नए ज्ञान क्षेत्र ने जितने कम समय में अपनी उपयोगिता बनाई है, वह चकित करने वाली है। जिस दौर में समूचा मीडिया विश्वसनीयता और प्रामणिकता के संकट से जूझ रहा है, ऐसे समय में एआई के लिए मीडिया समूहों का उत्साह और उसकी स्वीकार्यता वास्तव में आश्चर्य में डालने वाली है। सही मायनों में यह वह समय है जब आंखों देखी तथा कानों सुनी बातें भी छलावा और धोखा साबित हो रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक तकनीक ने सूचनाओं का ऐसा धुंधला समंदर रच दिया है, जहाँ कुछ क्षणों में फर्जी खबरें सच का लिबास पहनकर तैरने लगती हैं। ऐसे में सवाल केवल यह नहीं है कि खबर कितनी तेजी से आप तक पहुँच रही है, बल्कि असली चुनौती यह है कि उस पर भरोसा कितना किया जाए। मशीनी एल्गोरिदम शब्दों को सजा सकता है, आंकड़े जोड़ सकता है, लेकिन सच को तलाशने की नैतिक हिम्मत और मानवीय संवेदना केवल एक निष्पक्ष पत्रकार के पास ही होती है। युद्ध और राजनीतिक भाषणों के फर्जी वीडियो और आडियो वायरल हो जाना अब नई बात नहीं रही। पिछले चुनाव में भी कई दिवंगत नेताओं के वीडियो चले जिसमें वे अपनी पार्टी के वोट की अपीलें कर रहे हैं। जनमत को प्रभावित करने के लिए ऐसे प्रयास चरम पर हैं, जिनकी विश्वसनीयता शून्य है। श्वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरमश की एक रिर्पोट में एआई जनित गलत सूचनाओं को दुनिया के बड़े खतरों में बताया गया है। आज दुनिया और देश के अनेक बड़े मीडिया हाउस आधिकारिक तौर पर एआई का उपयोग डेटा विश्लेषण और अनुवाद के लिए कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि कई हजार पेज के डेटा का आंकलन –विश्लेषण सामान्य मनुष्य के लिए कई महीनों का काम है जिसे एआई के टूल्स मिनटों में संभव कर रहे हैं। बावजूद इसके अनेक मीडिया आउटलेट्स एआई से खबरें या विश्लेषण लिखवाकर हंसी के पात्र बन रहे हैं। ऐसे में संशोधन, सुधार और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त सामग्री से कचरा तो बढ़ ही रहा है, विश्वनीयता के नए संकट सामने हैं। बड़े भाषा माडल (एलएलएम) कभी पूरी तरह से काल्पनिक आंकड़े, अदालत के फैसला और ऐतिहासिक घटनाएं गढ़ते हुए दिखते हैं। जिसे सामान्य पाठक सच समझ बैठता है। तकनीकी विशेषज्ञ इसे हैलुसिनेशन कह रहे हैं। जिसका सीधा आशय यह है कि जिन चीजों के सटीक जवाब एआई के पास नहीं होते वह उनके मनगढंत उत्तर प्रस्तुत कर देता है। सजग संपादक और संपादकीय दृष्टि के अभाव में यह सामग्री कई तरह से संकट पैदा कर सकती है। सच और झूठ का फासला बहुत कम हो गया है। खबरों का सत्यापन पत्रकारिता की पहली शर्त है। लेकिन होड़ और दौड़ में वह धूमिल हो रही है। सामान्य से लगते कामों में एआई का उपयोग तो किया जा रहा है किया भी जाना चाहिए। किंतु किसी खोजी रिपोर्ट के लिए जमीनी स्तर पर जाकर काम करना, कागजात की जांच करना पत्रकारों की ही जिम्मेदारी है। तकनीक पर अति निर्भरता के समय में हमें उसके गंभीर खतरों का भी भान होना चाहिए। मैदानी पत्रकारिता में मिट्टी की जो खुशबू है वह मैदान में उतरे बिना प्रामणिक और भरोसेमंद नहीं हो सकती। मानवीय संस्पर्श और संवेदना किसी खबर का वितान बड़ा कर सकती है। जाहिर तौर पर पत्रकारिता की निर्भरता पूरी तरह एआई टूल्स पर संभव नहीं है। पत्रकारिता जहां निष्पक्षता, समाज के हित–सद्भाव, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर चिंतन को प्राथमिकता देती है, वहीं एल्गोरिदम का पूर्वाग्रह संभव है। अतः इसे समझने की जरुरत है। एआई माडल उसी डेटा से सीखते हैं जो उपलब्ध है। ऐसे में उपलब्ध डेटा अगर किसी प्रकार के पूर्वाग्रह से ग्रस्त है तो एआई भी उसी प्रकार के परिणाम देगा। कई शोध बताते हैं कि पश्चिमी मानकों पर ट्रेंड एआई माडल अक्सर विकासशील देशों के सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भों पर गलत संदर्भ प्रस्तुत करते हैं। भरोसा या विश्वास वह शब्द है जिसे प्राप्त करना आसान नहीं है। आप भले एआई का उपयोग करें किंतु जैसे ही आप यह लिखते हैं कि दृ"खबर एआई द्वारा बनी है और इसे मानव संपादक के द्वारा देख लिया गया है।" पाठक का भरोसा एआई जनित खबर पर तुरंत कम हो जाता है। पाठक वास्तविक पत्रकारों और लेखकों द्वारा लिखी गई सामग्री को ज्यादा भरोसेमंद मानते हैं। कोई भी अखबार या मीडिया हाउस सालों–साल में यह प्रतिष्ठा अर्जित करता है। उसे एआई के नए माध्यम तुरंत समाप्त कर सकते हैं। दूसरी ओर कापीराइट और बौद्धिक संपदा से जुड़े संकट भी सामने खड़े हैं। कई प्रमुख मीडिया संगठन इस बात पर आपत्ति कर रहे हैं तो कई ने बिना अनुमति और बिना भुगतान उनकी सामग्री के उपयोग के लिए एआई कंपनियों पर मुकदमे भी किए थे। ऐसे में तमाम ऐसे विवाद अभी भी एआई के साथ जुड़े हुए हैं। बताया जाता है कि इंटरनेट पर हजारों की संख्या में ऐसी वेबसाइट्स तैर रही हैं जो केवल विज्ञापन से पैसे कमाने के लिए झूठ का व्यापार कर रही हैं। वे हर पल एआई से झूठी खबरें गढ़ते हुए पोस्ट करती रहती हैं। मीडिया वाचडाग न्यूज गार्ड ने ऐसे तमाम अविश्वसनीय वेबसाइटों की पहचान की है। ऐसे में सच और झूठ के बीच मीडिया के सत्यान्वेषण का धर्म सहम कर रह जाता है। हम सब मानते हैं संपादकीय विवेक का कभी कोई विकल्प नहीं हो सकता। इस दौर में भी यह एक सच्चाई है। नैतिक विवेक और समाज की गहरी समझ के बिना किया गया कोई भी संवाद या संचार संकट ही खड़ा करेगा। सारी तकनीकी क्रांति के बाद भी मुख्यधारा के मीडिया का वजूद बचा रहेगा क्योंकि एआई जनित भ्रमों, फर्जी खबरों की बाढ़ के बीच हमें सत्यापित जानकारी की ओर लौटना ही है। ऐसे में 'प्रिंट इज डेड' जैसी अवधारणाओं के बीच भी मुख्यधारा का मीडिया अपनी विशेषताओं के कारण, संपादकीय गुणवत्ता के कारण बना और बचा रहेगा। सत्य आसानी से नहीं मिलता, इसे समाज भी स्वीकारेगा। इसके साथ ही प्रामणिक और भरोसेमंद मंचों की ओर लौटना ही होगा। क्योंकि यहां प्रामणिक मंच केवल खबरों का व्यापार नहीं कर रहे होगें बल्कि वे अपनी खबरों के सच होने के गारंटी भी देगें। जाहिर है पारंपरिक मीडिया के लिए वह दिन बहुत खास होगा। डीपफेक और एल्गोरिदम के समय में अब चुनौती ही असली और सही खबर पाना है। क्या वो आपके पास है?

महिला सशक्ति करण पर राहुल गांधी की खोखली बयानबाजी बनाम मोदी सरकार का ठोस रिकॉर्ड

ए. शक्तिवेल

पुणे में महिला सशक्तिकरण पर राहुल गांधी की हालिया टिप्पणी सुनने में आकर्षक लग सकती है, लेकिन यह एक बड़ा सवाल खड़ा करती हैरू क्या महिला सशक्तिकरण को केवल राजनीतिक भाषणों से मापा जाना चाहिए, या फिर उन कानूनों, अवसरों और संस्थाओं से, जो महिलाओं को वास्तव में अधिकार और अवसर प्रदान करते हैं? इस कसौटी पर नरेंद्र मोदी सरकार का रिकॉर्ड व्यापक है, जबकि महिलाओं से जुड़े महत्वपूर्ण सुधारों के मामले में कांग्रेस बार–बार सवालों के घेरे में रही है। महिला सशक्तिकरण के प्रति मोदी सरकार का दृष्टिकोण मूल रूप से अलग रहा है। यह केवल कल्याण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अधिकार, गरिमा, प्रतिनिधित्व, वित्तीय आत्मनिर्भरता, उद्यमिता और महिला नेतृत्व वाले विकास तक विस्तारित हुआ है। तत्काल तीन तलाक को समाप्त करने से लेकर विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण को संवैधानिक आधार देने तक, सरकार ने महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने वाले महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। इस कानून ने तत्काल तीन तलाक को अमान्य घोषित किया और मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण प्रदान किया। लेकिन मुस्लिम महिलाओं को एक मनमानी प्रथा से सुरक्षा देने वाले इस उपाय का स्वागत करने के बजाय कांग्रेस ने विधेयक के पारित होने के दौरान इसका विरोध किया। इसलिए सवाल आज भी प्रासंगिक हैरू जब कांग्रेस महिलाओं के अधिकारों की बात करती है, तो उसने मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण और गरिमा देने वाले कानून का विरोध क्यों किया था? इसी तरह नारी शक्ति वंदन अधिनियम, संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023, महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम है। यह कानून संवैधानिक व्यवस्था के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण का प्रावधान करता है। यह स्वतंत्र भारत में महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों में से एक है। फिर भी कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिलाओं के आरक्षण के क्रियान्वयन से जुड़ी परिसीमन प्रक्रिया पर आपत्तियां उठाई हैं। यदि कांग्रेस वास्तव में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत राजनीतिक प्रतिनिधित्व चाहती है, तो वह उस संवैधानिक व्यवस्था पर अड़चन क्यों पैदा करती है जिसके माध्यम से यह प्रतिनिधित्व वास्तविकता में बदलना है? यह केवल राजनीतिक मतभेद नहीं है। यह कांग्रेस के दृष्टिकोण में एक गहरे विरोधाभास को सामने लाता है। महिलाओं के आरक्षण की बात करना एक बात है, लेकिन उसे वास्तविकता में बदलने वाली संवैधानिक प्रक्रिया पर सवाल उठाना दूसरी। महिलाओं को राजनीतिक दोहरे मापदंड नहीं, वास्तविक प्रतिनिधित्व चाहिए। कांग्रेस के अपने राज्यों का रिकॉर्ड देखें तो यह विरोधाभास और गहरा हो जाता है। कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता में है और राज्य मंत्रिपरिषद में एक भी महिला को मंत्री नहीं बनाया गया है। जो पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण की बात करती है, उसे अपने ही शासन और संगठनात्मक फैसलों में भी अपनी प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए। कांग्रेस को अपने संगठन के भीतर महिलाओं के साथ व्यवहार को लेकर भी सवालों के जवाब देने होंगे। प्रियंका चतुर्वेदी ने उन पार्टी कार्यकर्ताओं की बहाली पर आपत्ति जताने के बाद कांग्रेस छोड़ी थी, जिनके बारे में उन्होंने कहा था कि उन्होंने उनके साथ दुर्व्यवहार और धमकी दी थी। राधिका खेड़ा ने भी बाद में पार्टी के भीतर उत्पीड़न और अपमान के आरोप सार्वजनिक रूप से उठाने के बाद कांग्रेस छोड़ दी। ये घटनाएं एक सीधा सवाल खड़ा करती हैंरू देश को महिलाओं की गरिमा पर भाषण देने से पहले क्या राहुल गाँधी अपने ही राजनीतिक संगठन में महिलाओं की गरिमा और सम्मान सुनिश्चित कर सकते हैं? मोदी सरकार का रिकॉर्ड केवल कानूनों तक सीमित नहीं है। महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 68 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। अप्रैल 2026 तक कुल 57.79 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए जा चुके थे, जिनकी कुल राशि ?40.07 लाख करोड़ से अधिक थी। इनमें लगभग दो तिहाई ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए हैं। यही जमीन पर वास्तविक सशक्तिकरण है। जब किसी महिला को संस्थागत ऋण मिलता है, तो वह केवल सरकारी सहायता प्राप्त नहीं करती। उसे अपना व्यवसाय शुरू करने या उसका विस्तार करने, आय अर्जित करने और औपचारिक अर्थव्यवस्था में भाग लेने का अवसर मिलता है। मोदी सरकार ने महिलाओं को केवल लाभार्थी के रूप में देखने के बजाय उन्हें उद्यमी, रोजगारदाता और आर्थिक निर्णयकर्ता बनाने की दिशा में काम किया है। यही परिवर्तन स्टार्टअप इंडिया में भी दिखाई देता है। डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त लगभग आधे स्टार्टअप में कम से कम एक महिला निदेशक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, स्टार्टअप इंडिया के तहत 75,000 से अधिक महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप को समर्थन दिया गया है। संदेश स्पष्ट हैरू महिलाएं पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं हैं। वे तेजी से संस्थापक, नवोन्मेषक और कारोबारी नेतृत्वकर्ता बन रही हैं। ग्रामीण महिलाओं की कहानी भी उतनी ही प्रभावशाली है। लखपति दीदी ग्रामीण भारत में महिला नेतृत्व वाले विकास के सबसे महत्वपूर्ण उदाहरणों में से एक बन चुकी है। इस पहल का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कम से कम ?1 लाख की टिकाऊ वार्षिक आय हासिल करने में सक्षम बनाना है। मई 2026 तक, ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, 3.07 करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। जुलाई 2026 तक सरकार ने बताया कि 3.46 करोड़ से अधिक स्वयं सहायता समूह की सदस्यों को लखपति दीदी बनने में सक्षम बनाया गया हैं। यह एक गहरा सामाजिक परिवर्तन है। जो महिला कभी पूरी तरह घरेलू अर्थव्यवस्था पर निर्भर थी, वह अब आय अर्जित करने वाली, उद्यमी और निर्णयकर्ता बन रही है। स्वयं सहायता समूहों, बैंक ऋण, कौशल, तकनीक और बाजार तक पहुंच के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ा जा रहा है। नमो ड्रोन दीदी पहल इस सशक्तिकरण को एक कदम और आगे ले जाती है। महिला स्वयं सहायता समूहों को कृषि कार्यों के लिए ड्रोन संचालित करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे आजीविका के नए अवसर पैदा हो रहे हैं और आधुनिक तकनीक भारत के गांवों तक पहुंच रही है। सरकार ने ?1,261 करोड़ के प्रावधान के साथ चयनित महिला स्वयं सहायता समूहों को 15,000 ड्रोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है।

जौनपुर में प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने विकास कार्यों की समीक्षा की, नेपाल की त्रासदी पर जताया गहरा शोक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद के प्रभारी एवं ऊर्जा राज्यमंत्री ए.के. शर्मा गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर जौनपुर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों, विधायकों और उनके प्रतिनिधियों के साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर जिले में चल रहे विकास कार्यों तथा राजनीतिक गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पिछले माह कराए गए विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। मीडिया से बातचीत में प्रभारी मंत्री ने कहा कि वह समय–समय पर सरकारी व्यवस्थाओं, विकास कार्यों और राजनीतिक परिस्थितियों की समीक्षा करते रहते हैं। इसी क्रम में उनका जौनपुर दौरा हुआ है। उन्होंने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष की मौजूदगी में पार्टी के राजनीतिक साथियों के साथ बैठक की गई। इसके बाद जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी समेत अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले और वर्तमान माह में हुए कार्यों की प्रगति का जायजा लिया जाएगा। अब तक की समीक्षा में सामने आया है कि जिला प्रशासन बेहतर ढंग से काम कर रहा है। शासन की योजनाओं और विकास कार्यों को निर्धारित प्राथमिकताओं के अनुसार आगे बढ़ाया जा रहा है। समाजवादी पार्टी की ओर से महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर उठाए जा रहे सवालों के संबंध में उन्होंने कहा कि सपा नेताओं को सबसे पहले महिलाओं के प्रति अपनी सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में महिलाओं के साथ अत्याचार की घटनाएं होती थीं और उस समय की परिस्थितियां किसी से छिपी नहीं हैं। नेपाल में आई प्राकृतिक त्रासदी पर प्रभारी मंत्री ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए मृतकों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने मृतकों की आत्मा की शांति और उनके परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। श्री शर्मा ने वर्ष 2013 में केदारनाथ में आई आपदा को याद करते हुए कहा कि उस त्रासदी में भी भारी जनहानि और संपत्ति का नुकसान हुआ था। उन्होंने बताया कि उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वह भी केदारनाथ गए थे। इसलिए वह ऐसी आपदाओं से प्रभावित लोगों की पीड़ा को समझ सकते हैं। उन्होंने नेपाल त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

पीयू के इंक्यूबेशन सेंटर को मुख्यमंत्री ने प्रदान किया मान्यता प्रमाण पत्र

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के इंक्यूबेशन सेंटर को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मान्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह और इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर को प्रमाण पत्र सौंपा। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि इंक्यूबेशन सेंटर को मिली मान्यता से विश्वविद्यालय से जुड़े स्टार्टअप और इनक्यूबेटीज को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी। उन्हें सीड फंडिंग, प्रोत्साहन राशि और स्टार्टअप विकास से संबंधित अन्य सरकारी सुविधाओं तक पहुंच भी आसान होगी। इससे विश्वविद्यालय में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति–2026 पुस्तिका का विमोचन तथा उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन पोर्टल का शुभारंभ किया गया। बताया गया कि स्टार्टअप नीति के तहत 107 स्टार्टअप को 3.42 करोड़ रुपये से अधिक तथा नौ इनक्यूबेटीज को 1.79 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री सुनील कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्यजन मौजूद रहे। कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर को मिली मान्यता नवाचार और उद्यमिता को संस्थागत रूप से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे विद्यार्थियों, शोधार्थियों और नवोदित उद्यमियों को अपने विचारों को स्टार्टअप में बदलने और उन्हें आगे बढ़ाने के बेहतर अवसर मिलेंगे।

पांच जिलों में 8 से 15 सितंबर तक होगा कजरी महोत्सव

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की समृद्ध लोक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग की ओर से 8 से 15 सितंबर 2026 तक कजरी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश के मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर और मुरादाबाद जिलों में आयोजित होने वाले इस महोत्सव के लिए संस्कृति विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आयोजन में जिला प्रशासन का भी सहयोग लिया जाएगा।प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कजरी महोत्सव–2026 का मुख्य उद्देश्य कजरी गायन की प्राचीन परंपरा, लोक संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करते हुए उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आने वाले लोक कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे और पारंपरिक कजरी गायन को आधुनिक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा।उन्होंने कहा कि कजरी गायन उत्तर प्रदेश की लोक परंपरा और लोक जीवन में प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव का प्रतीक है।

सरस्वती–सिंधु सभ्यता ने भारतीय ज्ञान परंपरा को दिए नए आयाम – डॉ. नरेंद्र परमार

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय, लखनऊ की ओर से आयोजित 'पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम–2026' के छठवें दिन सरस्वती–सिंधु सभ्यता और प्रारंभिक भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों पर विस्तृत एवं ज्ञानवर्धक चर्चा हुई। मुख्य वक्ता केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर तथा चंडीगढ़ के संग्रहालय एवं पुरातत्व विभाग के उपनिदेशक डॉ. नरेंद्र परमार ने 'सरस्वती–सिंधु सभ्यता रू भारतीय ज्ञान परंपरा के नए आयाम' तथा 'प्रारंभिक भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विषय से जुड़े पुरातात्त्विक साक्ष्यों और ज्ञान–पद्धतियों का प्रायोगिक प्रदर्शन भी किया।पुरातत्व विभाग की निदेशक रेनू द्विवेदी ने बताया कि डॉ. परमार ने भारत में ज्ञान परंपरा के प्राचीन विकासक्रम को पुरातात्त्विक साक्ष्यों के माध्यम से समझाते हुए।

मेदांता ने ओरल कैंसर जागरूकता अभियान 'टालो मत, पहचानो' की शुरुआत की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मुंह का कैंसर अक्सर ऐसे हल्के लक्षणों से शुरू होता है, जिन्हें आसानी से नजरअंदाज कर दिया जाता है। मुंह में ऐसा घाव जो ठीक न हो, कोई असामान्य दाग या पैच दिखाई देना, या ऐसा जख्म जो दो हफ्ते से ज्यादा समय तक बना रहे, शुरुआत में मामूली लग सकता है। लेकिन ये किसी गंभीर बीमारी के शुरुआती संकेत हो सकते हैं। अपने नए जागरूकता अभियान 'टालो मत, पहचानो' के जरिए भारत के प्रमुख निजी मल्टी–स्पेशियलिटी टर्शियरी और क्वाटरनरी केयर प्रदाताओं में से एक, मेदांता, लोगों को इन संकेतों को समय रहते पहचानने के लिए जागरूक कर रहा है। अभियान का उद्देश्य लोगों को समय पर डॉक्टर से सलाह लेने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि इन लक्षणों को नजरअंदाज करने या इलाज में देरी से बचा जा सके। भारत में हर साल करीब 1.4 लाख लोगों में मुंह के कैंसर की पहचान होती है। यानी हर दिन लगभग 400 लोग इस बीमारी से प्रभावित होते हैं। 'टालो मत, पहचानो' अभियान में मुंह के कैंसर से जुड़े प्रमुख रिस्क (जोखिमों) के बारे में बताया गया है। इनमें तंबाकू चबाना, धूम्रपान और शराब का सेवन शामिल है। इसके अलावा मुंह के घाव, दांतों का नुकीला होना और सही फिटिंग वाले नकली दांत न होना भी इसके जोखिम को बढ़ा सकते हैं। डॉ. नरेश त्रेहन, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, मेदांता, ने कहा, "स्वास्थ्य संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे लोगों को स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करें और इसे रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाएं। मुंह का कोई घाव या छाला अगर दो हफ्ते या उससे ज़्यादा समय तक ठीक न हो, तो यह किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। 'टालो मत, पहचानो' अभियान के जरिए हम लोगों को ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज न करने और समय पर डॉक्टर से सलाह लेने के लिए जागरूक करना चाहते हैं। जब लोग अपनी सेहत को लेकर सवाल पूछते हैं, सही सलाह लेते हैं और बीमारी बढ़ने से पहले इलाज शुरू कराते हैं, तो इससे न सिर्फ उनका स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि पूरे समाज पर भी अच्छा असर पड़ता है।" मेदांता लखनऊ के मेडिकल डायरेक्टर, डॉ. राकेश कपूर ने कहा कि ओरल कैंसर की शुरुआती पहचान ही सबसे बड़ा बचाव है। मुंह में न भरने वाले छाले, सफेद–लाल धब्बे या कोई भी असामान्य बदलाव दिखे तो 'टालो मत, पहचानो'। तंबाकू, शराब और गलत आदतों से बचें, नियमित जांच कराएं और समय रहते विशेषज्ञ की सलाह लें। जागरूकता से हम न सिर्फ खुद को बल्कि पूरे समाज को इस बीमारी से बचा सकते हैं। मेदांता की हेल्पलाइन 88–0000–1068 पर संपर्क करके लोग डॉक्टर से स्वास्थ्य संबंधी सलाह ले सकते हैं और मेदांता लखनऊ के विशेषज्ञ डॉक्टरों से जुड़ सकते हैं।

खेलों से जुड़ें युवा, नशे से रहें दूर - गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के दिशा–निर्देशन में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना एवं मेरा युवा भारत, जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'खेलो इंडिया संवादकृ खेल की बात, पीएम के साथ' कार्यक्रम आर्यभट्ट सभागार, रज्जू भैया संस्थान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम को टीवी पर संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं से खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने और भारत को खेलों की महाशक्ति बनाने का आह्वान किया। इसी क्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। आज भारतीय खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से खेलों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने, अपनी प्रतिभा को निखारने तथा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, अनुशासित एवं ऊर्जावान युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। उन्होंने युवाओं से केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न खेल एवं युवा कल्याण योजनाओं, सुविधाओं एवं अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार के खेल विभाग की वेबसाइटों तथा विभिन्न नोटिफिकेशनों के माध्यम से युवाओं को खेलों से संबंधित अवसरों की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है, जिसका लाभ उठाकर वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सरकार द्वारा आर्थिक सहायता के साथ–साथ विभिन्न सेवाओं एवं पदों पर सीधी भर्ती के माध्यम से विशेष अवसर भी प्रदान किए जाते हैं। मंत्री श्री यादव ने कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण अंचलों के युवाओं के लिए खेलों में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि पहले कहा जाता था कि "खेलोगे–कूदोगे बनोगे खराब", लेकिन आज यह सोच बदल गई है और विकसित भारत की परिकल्पना में संदेश है कि "खेलोगे–कूदोगे बनोगे नवाब।" उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश की डबल इंजन सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग एवं माई भारत पोर्टल पर अधिक से अधिक पंजीकरण कराने तथा इसके माध्यम से उपलब्ध विभिन्न अवसरों, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों से जुड़कर अपनी प्रतिभा और क्षमता को विकसित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री जी ने उपस्थित युवाओं एवं प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई। विशिष्ट अतिथि श्री सुरेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक ने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का भी सशक्त साधन है। खेल युवाओं में संघर्ष, धैर्य, अनुशासन और नेतृत्व की भावना विकसित करता है। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने की अपील की। एथलेटिक्स खिलाड़ी सुश्री पूजा यादव को मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव तथा विशिष्ट अतिथि सुरेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक ने बुके मोमेंटो और अंगवस्त्रं देकर सम्मानित किया। पूजा यादव ने अपने खेल जीवन के अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। उन्होंने युवाओं को निरंतर अभ्यास, कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में सफलता के लिए प्रतिभा के साथ अनुशासन और निरंतर अभ्यास बेहद जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन सुमित सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ. शशिकांत यादव द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, अधिकारियों, शिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रो. मिथिलेश सिंह, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. मनोज पाण्डेय, जिला प्रशासन के खेल विभाग के अधिकारी, इंदिरा गांधी स्टेडियम के अधिकारीगण, विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक, उत्कर्ष सिंह, सर्वेश यादव, अवशेष जायसवाल, अभिनव कीर्ति पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं माय भारत के स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आंबेडकर प्रतिमा विवाद पर मायावती की दो टूक, महापुरुषों का सम्मान बना रहे, न बनाएं राजनीतिक हथियार

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्श के माध्यम से संविधान, हिजाब विवाद और डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को लेकर चल रहे तनाव पर पार्टी का कड़ा रुख साफ किया है। बाबा साहेब द्वारा दिए गए धर्मनिरपेक्ष संविधान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश के सभी धर्मों की मान्यताओं, परंपराओं और रीति–रिवाजों का पूरा सम्मान होना चाहिए तथा इनमें किसी भी तरह का हस्तक्षेप अनुचित है। शैक्षणिक संस्थानों में यूनिफॉर्म, पर्दा या हिजाब से जुड़े विवादों पर उन्होंने सलाह दी कि ऐसे मामलों को अनावश्यक तूल देकर अदालती या कानूनी विवाद बनाने से बचना चाहिए। स्थानीय प्रशासन और स्कूल प्रबंधन को आपसी समझ–बूझ से इन मुद्दों को सुलझाना चाहिए ताकि कोई भी तत्व इस पर संकीर्ण राजनीति न कर सके। इसके साथ ही, उन्होंने उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर बने तनावपूर्ण माहौल का तुरंत और शांतिपूर्ण समाधान निकालने की मांग की है। बदायूं के फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के गांव राजा की सीकरी में ग्राम समाज की खलिहान की भूमि पर बिना अनुमति डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने और गिराकर क्षतिग्रस्त करने के आरोप के बीच मंगलवार को सुबह से शाम तक जमकर बवाल हुआ। सरकारी भूमि पर प्रतिमा स्थापित करने की मांग पर अड़े ग्रामीण शाम को उतने उग्र हो गए कि भीड़ ने पुलिस प्रशासन के अधिकारियों पर पथराव कर दिया। करीब आधे घंटे तक हुए पथराव में एसडीएम, सीओ की गाड़ी सहित एक दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। अफसरों ने भागकर खुद को बचाया।

यूपीएसआरटीसी की यात्री राहत योजना बनी दुर्घटना पीड़ित परिवारों का सहारा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों से होने वाली दुर्घटनाओं में यात्रियों और अन्य प्रभावित लोगों को आर्थिक सहारा देने के लिए संचालित यात्री राहत एवं सुरक्षा योजना पीड़ित परिवारों के लिए बड़ी मदद का माध्यम बनी है। वित्तीय वर्ष 2017–18 से 2025–26 के बीच मृत्यु और घायल होने के कुल 342 प्रकरणों में 17.33 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। सरकार और परिवहन निगम की ओर से दी गई इस सहायता से दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले यात्रियों के आश्रितों तथा घायल यात्रियों को कठिन समय में आर्थिक सहारा मिला है।योजना के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2017 से पहले के दो वित्तीय वर्षों 2015–16 और 2016–17 में मृत्यु के आठ मामलों में 40 लाख रुपये की सहायता दी गई थी। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2017–18 से 2025–26 तक नौ वर्षों में मृत्यु के 322 मामलों में लगभग 17.08 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। वहीं घायल यात्रियों के 20 मामलों में 24.37 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराई गई।वर्ष 2017–18 से 2025–26 के दौरान मृतकों के परिजनों को दी गई सहायता में कई वर्षों में बड़े स्तर पर भुगतान हुआ। इस अवधि में वर्ष 2019–20 में सबसे अधिक 78 मृत्यु प्रकरणों में लगभग 3.68 करोड़ रुपये की सहायता दी गई। वर्ष 2021–22 में 48 प्रकरणों में लगभग 2.37 करोड़ रुपये, 2017–18 में 42 प्रकरणों में करीब 2.10 करोड़ रुपये, 2023–24 में 32 प्रकरणों में 1.85 करोड़ रुपये तथा 2025–26 में 27 प्रकरणों में 1.97 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।परिवहन निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, सड़क दुर्घटना में जान गंवाने अथवा घायल होने वाले लोगों और उनके परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलती है।दुर्घटना में घायल होने वाले यात्रियों के लिए भी योजना में राहत का प्रावधान है। सामान्य रूप से घायल होने पर उपचार के लिए 10 हजार रुपये तक और गंभीर रूप से घायल होने पर 25 हजार रुपये तक की अग्रिम राहत संबंधित अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई जा सकती है। यदि प्रारंभिक राहत के बाद भी उपचार पर अधिक खर्च आता है तो चिकित्सकीय उपचार के प्रमाणित बिलों और संबंधित मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से जारी स्वास्थ्य लाभ प्रमाणपत्र के आधार पर आगे की प्रक्रिया पूरी की जाती है।योजना के प्रावधानों में चोट की गंभीरता के आधार पर अधिकतम राहत की सीमा भी निर्धारित की गई है। सामान्य चोट के लिए अधिकतम 25 हजार रुपये, गंभीर चोट के लिए एक लाख रुपये और अति गंभीर चोट अथवा शरीर के 50 प्रतिशत से अधिक जलने जैसी स्थिति में 2.50 लाख रुपये तक की सहायता का प्रावधान है।यात्री राहत योजना को और व्यापक बनाते हुए अप्रैल 2026 में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। इसके तहत ऐसे राहगीरों और शहरी नागरिकों को भी योजना के दायरे में लाया गया है, जो निगम की बस में यात्रा नहीं कर रहे हों, लेकिन निगम की बस अथवा अनुबंधित बस से हुई दुर्घटना में घायल या मृत हो जाते हैं। ऐसे व्यक्ति की मृत्यु होने पर पांच लाख रुपये तक तथा गंभीर रूप से घायल होने पर 2.50 लाख रुपये तक भुगतान का प्रावधान किया गया है।हालांकि ऐसे मामलों में सहायता देने से पहले पुलिस रिपोर्ट और परिवहन निगम के जांच अधिकारी की रिपोर्ट को आधार बनाया जाएगा। यदि जांच में दुर्घटना के लिए संबंधित व्यक्ति की लापरवाही सामने आती है तो योजना के तहत आर्थिक सहायता का भुगतान नहीं किया जाएगा।

यूपी पावर कारपोरेशन के 57 अधिकारियों को आईआईएम लखनऊ के दो वर्षीय ब्लेंडेड एमबीए कार्यक्रम के लिए मिली मंजूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड और उससे संबद्ध विद्युत वितरण एवं पारेषण निगमों के नियमित कार्मिकों की क्षमता विकास को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कारपोरेशन ने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) लखनऊ द्वारा संचालित दो वर्षीय ब्लेंडेड एमबीए कार्यक्रम के शैक्षणिक सत्र 2026–28 के लिए 57 अधिकारियों एवं अभियंताओं को प्रायोजित किए जाने की अनुमति प्रदान की है। इस संबंध में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड की ओर से 22 अगस्त 2026 को कार्यालय ज्ञाप जारी किया गया है।कार्यालय ज्ञाप के अनुसार यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड, उसके सहयोगी वितरण निगमों, उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड तथा उत्तर प्रदेश स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर से जुड़े नियमित कार्मिकों की क्षमता विकास के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। चयनित कार्मिक आईआईएम लखनऊ के दो वर्षीय ब्लेंडेड एमबीए कार्यक्रम के शैक्षणिक सत्र 2026–28 में अध्ययन करेंगे।प्रायोजित किए गए 57 कार्मिकों में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड और उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड के अधिकारी शामिल हैं।

फर्जी सट्टा बुक कराने के बहाने कैमरा मैन से लूट, दुबग्गा पुलिस ने चार आरोपियों को दबोचा

लखनऊ, (संवाददाता)।दुबग्गा थाना क्षेत्र में कैमरा मैन को फर्जी सट्टा बुक कराने के बहाने सुनसान स्थान पर ले जाकर कैमरा और उसके उपकरण लूटने की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से लूटा गया सोनी कंपनी का कैमरा, लेंस सहित कैमरे के अन्य उपकरण तथा घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की है। पुलिस के अनुसार घटना का कथित षड्यंत्रकारी मास्टरमाइंड अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।पुलिस के अनुसार 17 अगस्त 2026 की रात करीब 8:40 बजे एक कैमरा मैन को कुछ अज्ञात लोगों ने फर्जी सट्टा बुक कराने के बहाने अपने जाल में फंसाया। इसके बाद उसे जिल्लापुर रोड, जेहटा के सुनसान स्थान पर ले जाया गया, जहां आरोपियों ने उसका कैमरा और कैमरे से संबंधित सामान लूट लिया। घटना के संबंध में 18 अगस्त को वादी मनीष भारती पुत्र राकेश, निवासी सरकारी कॉलोनी, आम्रपाली, थाना दुबग्गा, लखनऊ की लिखित तहरीर पर मुकदमा दर्ज कराया गया।पुलिस ने मामले में मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्रारंभ में मुकदमा अपराध संख्या 0248ध् 2026, धारा 309(4) भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा दर्ज किया था। घटना के शीघ्र अनावरण के लिए पुलिस उपायुक्त पश्चिमी और अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देशन तथा सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी के निकट पर्यवेक्षण में दुबग्गा पुलिस और सर्विलान्स टीम का गठन किया गया।जांच के दौरान पुलिस टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही सर्विलान्स के माध्यम से संदिग्धों की गतिविधियों की जानकारी जुटाई गई और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। लगातार किए गए प्रयासों के बाद पुलिस को आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिले।पुलिस के अनुसार 25 अगस्त को मलहा अंडरपास के पास से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हेमंत सोनकर पुत्र गोपाल सोनकर, निवासी राजा होटल वाली गली, अमीनाबाद, लखनऊ, उम्र करीब 25 वर्षय सार्थक पाण्डेय पुत्र लक्ष्मीकांत पाण्डेय, उम्र करीब 32 वर्ष, निवासी सैदापुर, थाना माल, लखनऊ, हाल पता मुबारकपुर आईआईआईएम, थाना सैरपुर, लखनऊय अजय कुमार पुत्र संतोष कुमार, निवासी अटिया, थाना रहीमाबाद, लखनऊ, उम्र करीब 22 वर्ष तथा कुलदीप मिश्रा पुत्र बृजमोहन, निवासी ससपन, थाना रहीमाबाद, लखनऊ, उम्र करीब 30 वर्ष के रूप में हुई है।

रक्षाबंधन पर घर लौट रहे यात्रियों की बस में ट्रक की टक्कर,तीन की मौत

सुल्तानपुर। रक्षाबंधन पर घर लौट रहे यात्रियों की खुशियां पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर मातम में बदल गईं। बल्दीराय क्षेत्र के माइलस्टोन 96.600 के पास गुरुवार भोर करीब 5:30 बजे किनारे खड़ी गुड़गांव से बिहार जा रही बस में तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। तीन यात्रियों की मौत और करीब 16 घायल,पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।टक्कर इतनी भीषण कि बस का पिछला हिस्सा पिचककर चकनाचूर हो गया। पीछे की दो सीटें पिछले पहियों तक पहुंच गईं और कई यात्री बस में फंस गए।चीख–पुकार के बीच पुलिस और यूपीईडा कर्मियों ने पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल भेजा।बस में करीब 80 यात्री सवार थे। यात्रियों के मुताबिक चालक ने भोर में बस एक्सप्रेसवे किनारे खड़ी की और बाथरूम चला गया था। इसी दौरान पीछे से आए ट्रक ने बस में टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए उसकी तलाश कर रही है।मृतकों की पहचान श्यामलाल मंडल (28), विनोद मंडल (50) और बिहार के कुमारखंड निवासी किरण देवी (46) के रूप में हुई है। मौके पर एसडीएम प्रभात सिंह, सीओ आशुतोष कुमार और थानाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह पहुंचे। हादसे के बाद फिर उठा कट का मुद्दा स्थानीय लोगों ने चक टेरी के पास पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर कट बनाने की मांग की है।लोगों का कहना है कि एक्सप्रेसवे से महज दो किलोमीटर दूर सीएचसी बल्दीराय है,लेकिन हादसे में घायलों को करीब 20 किलोमीटर दूर कुमारगंज या 40 किलोमीटर दूर सुल्तानपुर जिला अस्पताल ले जाना पड़ता है।हादसे में सुरक्षित बचे करीब 61 यात्रियों को तहसील प्रशासन ने दूसरी बस से मुजफ्फरपुर भेजा। समाजसेवी शिवम श्रीवास्तव ने यात्रियों को पानी और बिस्कुट वितरित किए। जिलाधिकारी सुल्तानपुर इंद्रजीत सिंह ने संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार,आवश्यक सहायता और घटना के संबंध में नियमानुसार अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जगह-जगह कूड़े के ढेर में तब्दील अयोध्या,कूड़े के ढेर पूछ रहे नगर निगम से सवाल

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या नगर निगम की ओर से लगातार स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों से अपने–अपने वार्डों को स्वच्छ रखने की अपील की जा रही है। नगर निगम ने शहर में कूड़ा एकत्र करने और रखने के लिए कई स्थान भी चिन्हित किए हैं, जिनमें पुलिस लाइन के सामने समेत अन्य स्थान शामिल हैं। इसके बावजूद इन चिन्हित स्थलों और उनके आसपास कूड़े के ढेर दिखाई देना स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।शहर के कई वार्डों के अलावा स्कूलों, मंदिरों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों के आसपास भी जगह–जगह कूड़े के ढेर नजर आ रहे हैं। कई स्थानों पर नालियां गंदगी से पटी हैं तो कहीं टूटी सड़कें और जलभराव की समस्या लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है।नगर निगम लोगों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील कर रहा है, लेकिन सवाल यह है कि जब कूड़ा रखने के लिए स्थान चिन्हित हैं, तो वहां नियमित उठान और सफाई की व्यवस्था कितनी प्रभावी है? पुलिस लाइन के सामने पूरा फेंकने के लिए स्थान चिन्हित किया गया है।स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल अभियान चलाने और जागरूकता फैलाने से स्वच्छता व्यवस्था बेहतर नहीं होगी।नगर निगम द्वारा चिन्हित कूड़ा स्थलों के होने के बाद हर जगह कूड़े का ढेर दिखाई देता है इसके चलते इधर से आसपास रहने वाले लोगों को काफी आने–जाने में इसलिए परेशानी होती है कि वहां पर दुर्गंध के अलावा संक्रामक रोग भी फैलने की आशंका रहती है।

लाइव डिबेट में निषाद समाज पर अभद्र टिप्पणी का आरोप,अयोध्या में निषाद समाज का जोरदार प्रदर्शन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मछली–भात को लेकर हुई लाइव डिबेट के दौरान निषाद समाज के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र टिप्पणी किए जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास पर निषाद समाज के कुंवर सिंह निषाद को लाइव शो के दौरान गाली देने और आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। इस मामले को लेकर निषाद समाज में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है।गुरुवार को निषाद समाज के लोगों ने सदर तहसील क्षेत्र स्थित तिकोनिया पार्क में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान समाज के लोगों ने नारेबाजी करते हुए कथित अभद्र टिप्पणी पर नाराजगी जताई और दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। निषाद समाज की ओर से दो प्रमुख मांगें रखी गई हैं। पहली मांग है कि महंत राजू दास सार्वजनिक रूप से निषाद समाज से माफी मांगें। वहीं दूसरी मांग है कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर निष्पक्ष जांच करते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए।प्रदर्शन के दौरान निषाद समाज के लोगों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि जरूरत पड़ने पर जिले से लेकर प्रदेश मुख्यालय तक आंदोलन किया जाएगा।प्रदर्शन में समाज के अध्यक्ष संतोष निषाद, श्यामलाल निषाद, संरक्षक नानक शरण, अमरजीत निषाद, अनिल कुमार निषाद,हेमंत निषाद पार्षद प्रतिनिधि अमर निषाद, रिंकू निषाद सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मामले में शीघ्र कार्रवाई कर निषाद समाज को न्याय दिलाने की मांग की।

राखी के लिए दौड़ीं बहनें,रोडवेज बसों मे बहनों के लिए मुफ्त सफर कर योगी सरकार ने आसान किया मायके का सफर

अयोध्या।रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाई की कलाई पर राखी बांधने की चाह में बहनों की राह आसान हो गई।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से महिलाओं के लिए की गई मुफ्त रोडवेज यात्रा की व्यवस्था के चलते अयोध्या से अलग–अलग गंतव्यों के लिए रवाना हुईं बहनों के चेहरों पर खुशी और आंखों में भाई से मिलने की चमक दिखाई दी।सुबह से ही रोडवेज बसों में मायके जाने वाली महिलाओं की भीड़ नजर आई। कोई भाई की कलाई सजाने के लिए राखी लेकर निकली तो कोई मिठाई और स्नेह का सामान लेकर। किराये की चिंता खत्म होने से बहनों ने राहत की सांस ली और योगी सरकार के फैसले की जमकर सराहना की।व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए एआरएम रोडवेज डीके चौबे ने वीके मिश्रा रोडवेज कर्मियों के साथ खुद बस के अंदर पहुंचे और महिला यात्रियों व बहनों से सीधे बातचीत कर उनकी यात्रा, सुविधाओं और किसी तरह की परेशानी के बारे में जानकारी ली।अधिकारियों ने बसों में व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने और महिला यात्रियों को किसी तरह की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए।रोडवेज बसों में मुफ्त सफर कर रही बहनों ने कहा कि रक्षाबंधन पर मुफ्त सफर की सुविधा उनके लिए किसी सौगात से कम नहीं है।बहनों की जुबां पर योगी सरकार का आभार था तो चेहरे पर भाई से मिलने की खुशीकृमुफ्त सफर ने राखी के त्योहार में खुशियों का रंग और गहरा कर दिया।

बीकापुर कोतवाली मे बच्चियों और महिलाओं ने पुलिस अधिकारियों व कर्मियों के हाथों में बांधी राखी

अयोध्या।बीकापुर कोतवाली में आज गुरुवार को बेटियों बच्चियों और महिलाओं ने सीओ बीकापुर सुनील कुमार सिंह,कोतवाल देवेंद्र पांडे,वरिष्ठ उप निरीक्षक विजय प्रताप तिवारी सहित कोतवाली के सभी दरोगा आरक्षियों के कलाइयों में राखी बांधी।इस अवसर पर सीओ बीकापुर व

कोतवाल ने बच्चियों को तोहफा भी प्रदान किया।दोनों अधिकारियों ने कहा कि सभी समाज के लोगों की बेटियों की सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी है उन्होंने बेटियों से कहा कि कभी किसी प्रकार की कोई दिक्कत हो तो पुलिस के नंबर पर तत्काल सूचना दें पुलिस हमेशा उनके साथ खड़ी रहेगी।कोतवाल देवेंद्र पांडे ने सभी लोगों से आवाहन किया है कि राखी का पर्व बेटियों बहनों की सुरक्षा के लिए एक संकल्प लेने का त्यौहार है।कहा कि हमारी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है कि हमारे आसपास किसी भी बहन बेटी के साथ कोई गलत हरकत या व्यवहार ना हो पाए।

बंजर गाँव से एक अलग ही भक्ति ऊर्जा और उल्लास के साथ निकली कावड़ यात्रा

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'शाहजहाँपुर' सावन के पावन महीने में विकास क्षेत्र ददरौल के अंतर्गत ग्राम पंचायत इटौरा मजरा 'बंजर' से भोले के भक्तों की कावड़ यात्रा में 20 कांवड़ियो का जत्था फर्रुखाबाद के पांचाल घाट से गंगाजल लेकर छोटी काशी गोला के लिये रवाना हुआ। मंगलवार को सुबह 4 बजे कावड़ियों का जत्था गांव में अमन श्रीवास्तव के घर के पास स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना के बाद भक्ति ऊर्जा और उल्लास के साथ पवित्र जल लेने के लिए फर्रुखाबाद के पांचाल घाट के लिए रवाना हुआ। कावड़ियों ने पूरे गांव में हर–हर महादेव के जयकारे लगाए। चारों तरफ हर हर महादेव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। कावड़ यात्रा में गाँव के लगभग 20 भक्तगण सम्मिलित होकर 'हर–हर –महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों के साथ पवित्र नदी गंगा का जल लेने के लिए प्रस्थान कर गये। गाँव के बड़े बुजुर्गों और युवाओं ने पुष्प वर्षा कर कावड़ियों को विदा किया। ग्रामीणों ने सभी कावड़ियों (शिवभक्तों) की सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। गाँव के भक्तगणों द्वारा कावड़ियों के गोला में स्थित भोलेनाथ पर जल चढ़ाकर वापस लौटने पर परसाद स्वरूप जलेबियों का वितरण किया गया। शिव भक्त नवीन श्रीवास्तव ने कन्याओं को जलेबी खिलवाई और साथ ही दक्षिणा देकर विदा किया। कावड़ यात्रा को लेकर पूरे गाँव में भारी उत्साह और भक्ति का माहौल बना हुआ है।ष्पवित्र कांवड़ यात्रा में मुकेश दीक्षित, राविल श्रीवास्तव,विनोद दीक्षित, नवीन कुमार श्रीवास्तव,मन्नत शर्मा, शैलेश दीक्षित,अरविंद शर्मा,सुमित श्रीवास्तव, गणेश दीक्षित,श्यामवीर शर्मा,रामदीन श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

माधव सर्वोदय महाविद्यालय की छात्राओं ने 6बटालियन आरपीएफ जवानों को बांधी राखी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। माधव सर्वोदय महाविद्यालय में स्थित 6 बटालियन मेरठ आरपीएफ) में रक्षाबंधन का पर्व उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया गया।माधव सर्वोदय इंटर कालेज एवं महाविद्यालय की छात्राओं ने जवानों को राखी बाधी।देश सेवा में समर्पित जवानों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधने पहुंची छात्राओं का परिसर में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। छात्राओं ने जवानों के प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त करते हुए उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाई–बहन के स्नेह और सम्मान की भावना स्पष्ट दिखी।इस आयोजन के माध्यम से भाईचारे, आपसी प्रेम और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने का संदेश दिया गया। छात्राओं ने देश की सुरक्षा और सेवा में लगातार जुटे जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में कंपनी कमांडर कृष्ण नागर,मेजर वक्षराज सिंह,पी सी अर्जुन सिंह,संजय राज ,सूरज मालिक,विशाल कसाना ,राहुल,मोहित सैनी, अरुण कुमार, सौरव कुमार ,प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र कुमार पाठक,प्रचारक शनि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उपस्थित रहे। कमांडेंट अनूप कुमार साहू ने दोनों विद्यालयों की छात्राओं और शिक्षकों को उपहार प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने रक्षाबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को पर्व की शुभकामनाएं दीं। आरपीएफ ने इस आयोजन के जरिए आपसी भाईचारे, सामाजिक सद्भाव, महिला सम्मान और देशप्रेम की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश दिया। छात्राओं और जवानों के बीच का आत्मीय जुड़ाव इस पर्व को विशेष और यादगार बना गया।इस अवसर पर अखिलेश मिश्रा,विनोद श्रीवास्तव,पुष्कर दत्त तिवारी,श्रीधर पांडेय,सुधा,वंदना,शुभम् पांडेय, आदि छात्र छात्राएं अध्यापक अध्यापिका उपस्थित रहे।

बीआरडी – रोबोट की मदद से होगी जटिल सर्जरी

गोरखपुर, (संवाददाता)। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा सेवाओं को हाईटेक बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। कॉलेज प्रशासन ने परिसर में जल्द ही रोबोटिक सर्जरी की अत्याधुनिक सुविधा शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए शासन को आधिकारिक प्रस्ताव भेज दिया गया है। कॉलेज में आधुनिक तकनीक से लैस सर्जिकल रोबोट खरीदा जाएगा। इस हाईटेक तकनीक के आने से मरीजों को सुविधा मिलेगी। खास तौर पर ऑर्थोपेडिक्स विभाग में रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट (घुटना प्रत्यारोपण) और हिप रिप्लेसमेंट की आधुनिक सुविधा मरीजों को मिलने लगेगी। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित मिश्रा ने कहा कि रोबोटिक सर्जरी में सटीकता (एक्यूरेसी) बहुत अधिक होती है जिससे ऑपरेशन के दौरान चीर–फाड़ कम होती है रक्तस्राव न्यूनतम होता है और मरीज की रिकवरी बेहद तेजी से होती है। बोझ अधिक हो जाता था। ऐसे में बीआरडी मेडिकल कॉलेज में यह सुविधा शुरू होने से गरीब और जरूरतमंद मरीजों को बेहद किफायती दरों पर बड़े अस्पतालों जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा सेवा मिल सकेगी। प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि रोबोटिक सर्जरी शुरू होने से मेडिकल कॉलेज की स्वास्थ्य सेवाओं में एक नया अध्याय जुड़ेगा। जल्द ही यह सुविधा मरीजों के लिए उपलब्ध होगी।

'पाली में धूमधाम से निकला बारावफात का जुलूस, हजारों लोग हुए शामिल'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'पाली–(हरदोई)' ईद–ए–मिलाद–उन–नबी यानी बारावफात के मौके पर बुधवार को पाली कस्बे में धूमधाम से जुलूस निकाला गया। जुलूस में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। लोग मजहबी नारे लगाते हुए आगे बढ़े, जबकि छोटे बच्चों में भी जुलूस को लेकर खासा उत्साह नजर आया। जुलूस को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। बारावफात का जुलूस मोहल्ला शेख सराय स्थित जामा मस्जिद से शुरू हुआ। जुलूस को चेयरमैन रिजवान खां ने झंडी दिखाकर रवाना किया, जुलूस सुंदर चौराहा, इमाम चौक, इस्लामिया स्कूल और बाजार होते हुए थाना चौराहा पहुंचा। इसके बाद जुलूस मोहल्ला आबिद नगर और काजी सराय उत्तरी से होते हुए वापस जामा मस्जिद पहुंचा, जहां जुलूस का समापन किया गया। जुलूस में शामिल लोगों के हाथों में मजहबी नारे लिखी तख्तियां और झंडे नजर आए। बड़ी संख्या में छोटे बच्चे भी हाथों में झंडे लेकर उत्साह के साथ जुलूस में शामिल हुए। रास्ते में कई स्थानों पर जुलूस में शामिल लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। जुलूस के दौरान कस्बे में उत्साह का माहौल रहा। सभासद मलिक कमरुल हसन ने बताया कि इस्लामिक कैलेंडर के तीसरे महीने यानी रवि–उल–अव्वल की 12वीं तारीख को पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्म और उनके निधन (वफात) की याद में मनाया जाता है, पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्म भी इसी 12 तारीख को हुआ था और उनका देहांत भी इसी दिन हुआ था। इसलिए इसे खुशी और गम दोनों के स्मरण के रूप में देखा जाता है। बारावफात के जुलूस को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार मिश्रा, कस्बा चौकी इंचार्ज अचल कुमार के नेतृत्व में पाली थाने के पुलिसकर्मियों के साथ आसपास के थानों का फोर्स भी तैनात किया गया। पुलिसकर्मियों ने जुलूस के निर्धारित मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था संभाली और पूरे आयोजन के दौरान निगरानी बनाए रखी।

अमर पब्लिक स्कूल में छात्राओं ने सैनिकों, पुलिस अधिकारियों और वृक्षों को बांधी राखी

अयोध्या।गुरुवार को अमर पब्लिक स्कूल, भीखापुर में रक्षाबंधन का पावन पर्व हर्षोल्लास, उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। विद्यालय की कक्षा 5 से 12 तक की छात्राओं ने देश की सुरक्षा में समर्पित सैनिक भाइयों को राखी बांधकर उनके प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त की।रक्षाबंधन समारोह में असम रेजिमेंट के कर्नल पुष्कर रौतेला तथा एसपी ग्रामीण पुलिस अधीक्षक बलवंत चौधरी को छात्राओं ने राखी बांधकर भाई–बहन के पवित्र रिश्ते का संदेश दिया।अतिथियों ने विद्यार्थियों को राष्ट्रसेवा, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व से अवगत कराया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।छात्राओं ने सैनिक भाइयों के सुरक्षित एवं उज्ज्वल जीवन की कामना करते हुए उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। सैनिकों ने भी छात्राओं के स्नेहपूर्ण भाव की सराहना करते हुए देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में इंटर–हाउस राखी निर्माण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न हाउसों के विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, कला–कौशल और कल्पनाशीलता का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों द्वारा तैयार की गई आकर्षक एवं सुंदर राखियों ने सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।रक्षाबंधन को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए छात्राओं ने विद्यालय परिसर में स्थित वृक्षों को भी राखी बांधी। इस दौरान उन्होंने वृक्षों की सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प लेते हुए उन्हें जीवन का आधार बताया। छात्राओं की इस अनूठी पहल ने रक्षाबंधन के पर्व को पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता का संदेश देने वाला बना दिया।विद्यालय के नर्सरी से यूकेजी तक के नन्हे–मुन्ने बच्चों ने भी रंग–बिरंगी वेशभूषा में रक्षाबंधन पर्व मनाया। राखी, मिठाइयों और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने पर्व के महत्व को समझा और उत्साहपूर्वक समारोह में भाग लिया।कार्यक्रम के अंत में अमर पब्लिक स्कूल के निदेशक आशुतोष पाण्डेय, प्रधानाचार्या आकांक्षा त्रिपाठी एवं समस्त शिक्षकों ने विद्यार्थियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम, भाईचारे, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। अमर पब्लिक स्कूल में आयोजित यह समारोह विद्यार्थियों के लिए संस्कार, देशभक्ति, रचनात्मकता और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरणादायी संगम बनकर सामने आया।

अयोध्या जा रही श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पलटी, 22 घायल

गोरखपुर, (संवाददाता)। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि के दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप मंगलवार दोपहर एम्स थाना क्षेत्र में अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में पिकअप सवार 22 श्रद्धालु घायल हो गए। इनमें चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को एम्स में भर्ती कराया गया है। हादसा मंगलवार दोपहर करीब 1रू30 बजे कुशीनगर–गोरखपुर हाईवे पर सिसवा उर्फ चनकापुर के टोला मलपुर के पास हुआ। कुशीनगर जिले के हाटा कोतवाली क्षेत्र के सुकरौली ब्लॉक अंतर्गत जोल्हनिया संखापार गांव के श्रद्धालु पिकअप से अयोध्या जा रहे थे। अधिक लोगों को बैठाने के लिए पिकअप की ट्रॉली में लकड़ी के पटरे लगाकर दो सतह बनाई गई थी।

दुबई से लौटते ही दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा गया 25 हजार का इनामी सिपाही

गोरखपुर, (संवाददाता)। फर्जी दस्तावेजों के सहारे तीन बैंक शाखाओं से करीब 39.70 लाख रुपये का लोन लेकर विदेश भागे 25 हजार रुपये के इनामी सिपाही नीतीश कुमार यादव को दुबई से लौटते ही दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ लिया गया। कैंट पुलिस की ओर से जारी लुकआउट नोटिस के चलते एयरपोर्ट सुरक्षा टीम ने उसे हिरासत में लेकर गोरखपुर पुलिस को सूचना दी। कैंट पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर गोरखपुर लेकर आई। सोमवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मूलरूप से देवरिया के भाटपाररानी क्षेत्र के जोगउर गांव निवासी नीतीश कुमार यादव वर्ष 2019 में पुलिस विभाग में भर्ती हुआ था। उसकी पहली तैनाती 20वीं वाहिनी पीएसी आजमगढ़ में हुई थी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।